Project Monitoring Visit by NABARD Officials in Banswara District, Rajasthan on 14th March, 2013

A montoring visit was conducted by Mr. Dharmendra Singh, Assistant General Manager – NABARD, Jaipur to the villages of Bhilvan Hadmatiya, Panival Gadha, Jhantla & Makod of Banswara District on 14th March, 2013 where WADI Development Programme is being implemented by Gramin Vikas Trust.

He along with the officials of GVT visited the Project areas and observed various activities being carried under WADI Project such as orchard development and forestry. Mr. Singh also interacted with the farmers and took information regarding water conservation, land development, crop improvement and other activities executed under the WADI project.

News clippings regarding the visit are as below.

अर्जेन्ट टाईम्स

डूंगरपुर, शुक्रवार 15 मार्च, 2013 4

वाड़ी परियोजना से रुबरु हुए नाबार्ड जयपुर के सहायक महाप्रबंधक

बांसवाड़ा। जीवीटी की वाड़ियों में लगे आमों की पैदावार को देखकर जानकारी लेते हुए नाबार्ड जयपुर के सहायक महाप्रबंधक धर्मेन्द सिंह। सिलाई प्रशिक्षण के माध्यम से आत्म निर्भरता की ओर ग्रामीणों को अग्रसित करता जीवीटी।

बांसवाड़ा, 14 मार्च। नाबार्ड जयपुर के सहायक महाप्रबंधक धर्मेन्द्र सिंह व ट्रस्ट के अधिकारियों ने गुरुवार को ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित बांसवाड़ा वाड़ी विकास कार्यक्रमो का अवलोकन किया गया। उन्होने जिले के भीलवन हडमतिया, पानी वाला गड़ा, झांतला, माकोद आदि गांवो मे किसानो द्वारा लगाई गई वाड़ी योजना अंतर्गत् फलदार पौधो, वानिकी पौधो की वाड़ियां देखी तथा किसानो से रूबरू होकर जानकारी ली। इसके साथ परियोजना अंतर्गत् किये गये जल संरक्षण, भूमी सुधार, फसल सुधार व महिला विकास, वर्मी कम्पोस्ट, अनाज बैंक, पशुपालन गतिविधि आदि कार्यक्रमो का अवलोकन किया। गांव भिलवन के जीवणाभाई ने बताया कि हमारी इस जमीन मे हम केवल मक्का की फसले उगाते थे इसमे हमने नाबार्ड वाडी परियोजना की मदद से 90 आम , आवंला , नींबु के पौधे लगाए तथा पालाबंदी व भूमी सुधार का कार्य किया तथा परियोजना की मदद से वाटर पंपसेट मिला।

योजनाओं का लाभ ले किसान

नाबार्ड जयपुर के सहायक महाप्रबंधक धर्मेन्द्र सिंह ने किसानों से कहा कि वाडी के साथ साथ सरकार व नाबार्ड द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियो जैसे किसान क्लब, संयुक्त देयता समूह, किसान क्रेडिट कार्ड, डेयरी विकास कार्य आदि से जुडकर लाभान्वित होना चाहिए। इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबंधक हरेन्द्र कुमार तोमर बताया कि ग्रामीण विकास ट्रस्ट विगत् 17 वर्षो से भारत वर्ष के 7 राज्यो मे जनजाति विकास कार्यक्रम संचालित कर रही है। इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कार्यक्रम अधिकारी, नरेन्द्र नागर, कार्यक्रम प्रबंधक उदयलाल गुर्जर तथा ट्रस्ट के लक्ष्मण, चांदमल ने अपने विचार व्यक्त किये तथा कार्यक्रम मे सहयोग दिया।

राजस्थान पत्रिका
बांसवाड़ा . बुधवार
13.03.2013

बांसवाड़ा

समन्वित खेती का मॉडल अपनाने का आह्वान

कुशलगढ़ (एसं). ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाडी विकास कार्यक्रम का अवलोकन सहायक महाप्रबंधक जयपुर के धर्मेन्द्र सिंह ने नागदा, पाडला, सोडलिया, वडलीपाडा, दोलपुरा, खेरदा आदि गावों में किया। किसान गोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने किसानों से समन्वित खेती का मॉडल अपनाने का आह्वान किया। वाडी परियोजना के अंतर्गत संचालित वर्मी कम्पोस्ट, अनाज बैंक, पालाबंधी, वाटर पंप व बकरी पालन आदि का भी अवलोकन किया। उन्होंने सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र में महिला समूहो से चर्चा की। जिला परियोजना समन्वयक एचके तोमर ने संस्था द्वारा संचालित गतिविधियो की जानकारी दी। इस अवसर पर उदयलाल गुर्जर, नरेन्द्र नागर, अनिल जैन, ओम प्रकाश बैरवा, हरीष मईडा, पूर्व सरपंच देवीसिंह, कैलाश मईडा आदि उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर
उदयपुर-बांसवाड़ा. बुधवार. 13 मार्च, 2013

अधिकारियों ने वाड़ियों का अवलोकन किया

कुशलगढ़। नाबार्ड वित्त पोषित एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रम के तहत किसान गोष्ठी मंगलवार को ग्राम नागदा में हुई। नाबार्ड के सहायक महाप्रबंधक धर्मेंद्रसिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि खेतों की जोत छोटी होने से आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए संबधित खेती का मॉडल अपनाना चाहिए। साथ ही अनाज के साथ साथ सब्जी, फल और फूल की पैदावार कर अपनी आर्थिक स्थित सुधारनी चाहिए। सिंह ने इसके अलावा सिलाई केंद्र और वाड़ियों का अवलोकन किया और आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के परियोजना समन्वयक एच के तोमर, ओमप्रकाश बैरवा, उदयलाल गुर्जर, नरेंद्र नागर आदि मौजूद थे।

दैनिक नवज्योति अजमेर ■ 15 मार्च, 2013 ■ शुक्रवार

बांसवाड़ा। महिला स्वयं सहायता समूह के उत्पादों को देखते नाबार्ड के अधिकारी, साथ में वाड़ी परियोजना का किया अवलोकन। फोटो - दीपक चावल वैष्णव

किसानों की जुबानी सफलता की कहानी

बांसवाड़ा, 14 मार्च। नाबार्ड जयपुर के सहायक महाप्रबंधक धर्मेन्द सिंह व ट्रस्ट के अधिकारीयो ने ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रमो का अवलोकन किया। इन लोगों ने जिले के भीलवन हडमतिया, पानीयाला गढ़ा, झांतला, माकोद आदि गांवो मे किसानो द्वारा लगाई गई वाड़ी योजना अंतर्गत् फलदार पौधे व वानिकी पौधो की वाड़ियां देखी तथा किसानो से रुबरू होकर वास्तविक स्थिति का पता किया। साथ ही परियोजना अंतर्गत् किये गये जल संरक्षण, भूमि सुधार, फसल सुधार व महिला विकास, वर्मी कम्पोस्ट, अनाज बैंक, पशुपालन गतिविधि आदि कार्यक्रमों का अवलोकन किया।

भीलवन के जीवणाभाई ने बताया कि हमारी जमीन में हम केवल मक्का की फसले उगाते थे, इसमे हमने नाबार्ड वाड़ी परियोजना की मदद से 90 आम, आंवला, नींबू के पौधे लगाए तथा पालबंदी व भूमि सुधार का कार्य किया तथा परियोजना की मदद से वाटर पंपसेट मिला। वर्तमान मे इस जमीन मे हम सब्जी उत्पादन व गेहूं की फसल पैदा कर रहे है। इसी प्रकार गांव झांतला मे वरजु बहन ने बताया कि हमारी 4 वर्ष पूर्व यह जमीन पड़त थी इस जमीन पर हमने परियोजना की मदद से जल संरक्षण के कार्य कराए तथा 60 आम, आंवला, नींबु के पौधे लगाए तथा टमाटर, भिन्डी मिर्ची की फसल लगाई तथा इस वर्ष हमने गेहूं की फसल की है। इसी प्रकार हडमतिया, रमवा पानीयाला गढ़ा, झांतला, माकोद आदि गांवो मे किसानोद्वारा लगाई गई वाड़ी योजना अंतर्गत् फलदार पौधा, वानिकी पौधो की वाड़ीया देखी तथा परियोजना अंतर्गत् किये गये जल संरक्षण, भूमी सुधार, फसल सुधार, वर्मीकम्पोस्ट व महिला विकास कार्यक्रमो आदि कार्यों का अवलोकन किया तथा किसानो से रुबरू हुए। कार्यक्रम के दौरान उन्होने किसानो से कहा कि वाड़ी के साथ साथ आपको सरकार व नाबार्ड द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधि जैसे किसान क्लब, संयुक्त देयता समूह, किसान क्रेडिट कार्ड, डेयरी विकास कार्य आदि से जुड़कर लाभान्वित होना चाहिए।

इससे पूर्व अधिकारी द्वारा कुशलगढ़ के नागदा, पाड़ला, मालदौलतपुरा, सोढलिया व बागीदौरा के करजी, खोपड़ा, बोड़ापाड़ा आदि गांवो मे वाड़ीयो सिलाई प्रशिक्षण, डीजल पंप, थ्रेशर, बकरीपालन आदि का अवलोकन किया। इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबंधक हरेन्द्र कुमार तोमर बताया कि ग्रामीण विकास ट्रस्ट विगत् 17 वर्षो से देश के 7 राज्यों में जनजाति विकास कार्यक्रम संचालित कर रही है। इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कार्यक्रम अधिकारी नरेन्द्र नागर, कार्यक्रम प्रबंधक उदयलाल गुर्जर ने अपने विचार व्यक्त किये।

राजस्थान पत्रिका
बांसवाड़ा गुरुवार
14.03.2013

बांसवाड़ा

अधिकारियों ने वाड़ियों का अवलोकन किया

कुशलगढ़. वाड़ी का अवलोकन करते अधिकारी।

कुशलगढ़। नाबार्ड वित्त पोषित एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रम के तहत किसान गोष्ठी मंगलवार को ग्राम नागदा में हुई। नाबार्ड के सहायक महाप्रबंधक धर्मेंद्रसिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि खेतों की जोत छोटी होने से आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए संबंधित खेती का मॉडल अपनाना चाहिए। साथ ही अनाज के साथ साथ सब्जी, फूल और फलों की पैदावार कर अपनी आर्थिक स्थित सुधारनी चाहिए। सिंह ने इसके अलावा सिलाई केंद्र और वाड़ियों का अवलोकन किया और आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के परियोजना समन्वयक एच के तोमर, ओमप्रकाश बैरवा, उदयलाल गुर्जर, नरेंद्र नागर, अनिल जैन, कैलाश मईड़ा, दिनेश मावी सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

किसानों से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान

बड़ोदिया. नाबार्ड के सहायक महाप्रबन्धक धर्मेन्द्रसिंह ने किसानों से वाड़ी परियोजना के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया है। उन्होंने वाड़ी किसानों एवं सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा करते हुए वाड़ी में फलदार एवं वानिकी पौधों का निरीक्षण कर वाड़ी से संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी कार्यक्रम नवापरा, हेरपाड़ा, खोपड़ा, करजी, बोड़ापाड़ा एवं मातलिया दर्डा मे संचालित हो रही है। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी केएल रावत, नरेन्द्र नागर, समुदाय सचालक भरत जोशी, जगदीश पाटीदार, राजेश डोडियार, प्रभुलाल सहित दर्जनों लोगो ने भाग लिया।